राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 28 अप्रैल • 2023

र माह होगी कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ति डॉ.विजेन्द्र सिंह ने वताया कि आगे से विज्ञान केन्द्रों की सामूहिक समीक्षा किसी ी केन्द्र पर ही प्रत्येक माह होगी। इसका द्र केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के ं किये जा रहे कार्यों में गतिशीलता है।

ीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय के कुलपति डॉ.विजेन्द्र सिंह ने के अभी तक कृषि विज्ञान केन्द्रों की क समीक्षा वैठक मुख्यालय पर सम्पन्न ी, लेकिन अगले माह से वारी वारी से कृषि विज्ञान केन्द्र पर सभी केन्द्रों की क समीक्षा होगी। इससे केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में कृषि व कृषकों के हित में किये जा रहे कार्यों में गतिशीलता आएगी। उन्होंने वताया कि कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन 15 कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित हैं। वहीं निदेशक प्रसार डॉ.आरके यादव ने वताया कि सभी केन्द्रों के वैज्ञानिकों को परीक्षणों और प्रदर्शनों में नवोन्मेषी तकनीकों के प्रयोग के लिये पूर्व में ही निर्देशित किया जा चुका है। जिससे किसानों के वीच देश के विभिन्न संस्थानों और कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित नवीन शोधों को कृषकों तक समय से पहुंचाया जा सके और किसानों की आय में वढ़ोत्तरी हो सके। श्री यादव ने वताया कि केन्द्रों पर समीक्षा वैठक की शुरुआत खीरी जनपद से शुरू होगी।

Sign in to edit and save changes to this file.

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रसार एवं अन्य गतिविधियों में और अधिक गतिशीलता लाने हेतु, होगी प्रत्येक माह केंद्रों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

.. कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक अभी तक मुख्यालय पर संपन्न होती रही है। परंतु अब अगले माह से बारी-बारी कर प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर सभी केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक की शुरुआत की जा रही है। जिससे कि केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में कृषक हितेषी किए जा रहे कार्यों में अवश्य ही और अधिक गतिशीलता आएगी। ज्ञातब्य हो कि कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन 15 कृषि विज्ञान केंद्र संचालित हैं।

निदेशक प्रसार,समन्वयक डॉ आरके यादव ने बताया कि सभी केंद्रों के वैज्ञानिकों को परीक्षणों एवं प्रदर्शनों में नवोन्मेषी तकनीकों के प्रयोग हेतु पूर्व में ही निर्देशित किया जा चुका है।जिससे कृषकों के मध्य देश के विभिन्न संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित नवीन शोधों को कृषको तक समय से पहुंचाया जा सके। और कृषकों की आय में बढ़ोतरी हो। निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव ने बताया कि केंद्रों पर समीक्षा बैठक की शुरुआत अगले माह मई 2023 में लखीमपुर खीरी जनपद से प्रारंभ होगी। और सभी केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक,अध्यक्ष इसमें प्रतिभाग कर अपने जनपदों की प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

हिंदुस्तान कानपुर 28/04/2023

वैज्ञानिक पास हैं या फेल, किसान बताएंगे

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक पास हैं या फेल अब यह किसान बताएंगे। उनके प्रयासों का असर खेतों में नजर आ रहा है या सिर्फ कागजों पर इनोवेशन किया जा रहा है। किसानों की रिपोर्ट के मुताबिक ही वैज्ञानिकों की प्रगति रिपोर्ट तैयार होगी। यह बातें सीएसए के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहीं। इसके साथ ही कुलपति ने कहा कि प्रयोगशाला में सफल होने वाले शोध व इनोवेशन का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिले।

अमर उजाला कानपुर 28/04/2023

कृषि वैज्ञानिक पास हुए या फेल, रिपोर्ट देंगे किसान

कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक पास हैं या फेल, अब इसकी रिपोर्ट गांव के किसान देंगे। किसानों की रिपोर्ट के मुताबिक ही वैज्ञानिकों की प्रगति रिपोर्ट तैयार होगी। यह आदेश चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दिया है।

कुलपति ने कहा कि प्रयोगशाला में सफल होने वाले शोध व इनोवेशन का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिले, इसके लिए केवीके को जिम्मेदारी दी गई है। अभी तक विवि मुख्यालय में केवीके की समीक्षा होती थी। इससे उनके कार्यों की केवल कागजी जानकारी मिलती थी। लेकिन खेती में कितना काम हुआ है, इसका पता नहीं चल पाता था।

कुलपति ने कहा कि अब हर माह केवीके में जाकर किसानों के बीच समीक्षा होगी ताकि वैज्ञानिकों के प्रयास की हकीकत पता चलेगी। विवि के प्रसार निदेशालय से 15 केवीके संबद्ध हैं। निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने बताया कि समीक्षा की शुरुआत लखीमपुर खीरी से होगी। (ब्यूरो)

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

शनिवार 29 अप्रैल, 2023 | अंक - 363

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

मन की बात के 100वें कार्यक्रम में पीएम से बात करने वाली नूरजहां से मिले कृषि वैज्ञानिक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने नूरजहां से ग्राम बैरी दरियाव स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। ज्ञातव्य हो कि ग्राम पंचायत बैरी दरियाव की नूर जहां कई गांव के घरों को अपनी सोलर लालटेन के माध्यम से रोशनी पहुंचा रही है। तथा नूरजहां 30 अप्रैल को मा. पीएम के मन की बात के 100वे कार्यक्रम में बात करेंगी। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक पाठक खलील खान एवं पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने उनके आवास पर पहुंचकर खेतीवाड़ी से जुड़े कई पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के क्रम में नूरजहां के पुत्र श्री अजीम ने वैज्ञानिकों को बताया कि केंद्र द्वारा गेहूं की प्रजाति डीबीडब्ल्यू 187 एवं के 1317 प्रदर्शन हेतु उपलब्ध कराई गई थी। इन प्रजातियों को उत्पादित कर गेहूं का नया बीज तैयार कर लिया है अजीम ने बताया कि यह दोनों की प्रजातियां उत्पादन की दृष्टि से अन्य की तुलना में अच्छी हैं। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत ने नूरजहां व उनके परिवार के सदस्यों द्वारा पाली जा रही बकरियों को स्वस्थ रखने एवं बीमारियों से मुक्ति के लिए उचित मार्गदर्शन किया । केंद्र के प्रभारी डॉ एके सिंह ने बताया कि केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार जनपद के गांव में पहुंचकर किसानों को कृषि संबंधी नवीनतम जानकारिया प्रदान की जा रही हैं।